TEE जून 2026 और TEE दिसंबर 2026 के लिए असाइनमेंट

पाठ्यक्रम: बीएजी दर्शनशास्त्र

कोर्स: तत्त्वमीमांसा, कोर्स कोड: बीपीवाईई- 141

नोट:

1. सभी पांच प्रश्नों का उत्तर दें।

2. सभी पांच प्रश्न समान अंक लाते हैं।

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में होने चाहिए।

4. यदि कोई प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों का उत्तर दें।

1. द्रव्य की अवधारणा को समझाएं और उसकी प्रकृति पर विस्तार से चर्चा करें। 20

या

सांख्य दर्शन के अनुसार *प्रकृतिपरिणामवाद* की व्याख्या और आलोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिए। 20

2. मानव स्वतंत्रता की अवधारणा पर इसके स्वरूप, सीमाओं और संकल्प स्वातंत्र्य की समस्या के संदर्भ में चर्चा कीजिए। 20

या

सामान्य (जाति) की समस्या पर निबंध लिखिए। न्याय-वैशेषिक दर्शन के अनुसार जाति के बाधक तत्त्व कौन से हैं? 10+10= 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए। 2*10= 20

क) इमैनुअल कांट के दर्शन में आभास और सत की समस्या पर निबंध लिखिए। 10

ख) तत्त्वमीमांसा क्या है और यह भौतिक संसार से परे वास्तविकताओं का अध्ययन कैसे करता है? 10

ग) अरस्तू का कारणता का सिद्धांत कैसे बाद के दार्शनिक विचारों को प्रभावित करता है?10

घ) बौद्ध दर्शन में सामान्य और विशेष का अंतर किस आधार पर किया गया है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए। 4*5= 20

क) हाइडेगर 'मृत्यु की ओर-होना' (Being-towards-death) का अर्थ दासाइन के अस्तित्व के संदर्भमें क्या समझाते हैं? 5

ख) अमरता को मानव व्यक्ति का एक अद्वितीय गुण क्यों माना जाता है? 5

ग) जॉन डंन्स स्कॉटस के दर्शन में वैयक्तिकरण की विचारधारा का वर्णन कीजिए।

घ) प्रतीत्यसमुत्पाद (Pratityasamutpada) के विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 5

ङ) आभास और सत की समस्या के संदर्भ में गुफा के रूपक (Allegory of the Cave) के दार्शनिक निहितार्थ पर चर्चा कीजिए। 5

च) क्या आप सोचते हैं कि आकस्मिकता अपना स्वयं का 'होना' रखती है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिये। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

क) परात्परता (Transcendence) 4

ख) अराजकता सिद्धांत (Chaos Theory) 4

ग) परिकल्पनात्मक पद्धति 4

घ) उपाधि 4

ङ) गैब्रियल मार्सल की व्यक्ति की अवधारणा 4

च) समवाय 4

छ) विवर्तवाद 4

ज) सत्ता (Entity) 4